[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 4004 C आपका अनुक्रमांक.....

Unique Paper Code : 205182

Name of the Paper : प्रश्न-पत्र CP I.4 : हिंदी भाषा (ख) / Hindi Language (B)
(प्रवेश वर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

Name of the Course : B.Com. (बी. कॉम.)

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) ऐसे कछु अनुभौ कहत न आवै, साहिब मिलै तो को बिलगावै ।।टेक।।

सबमैं हरि है हरि में सबहै, हरि अपनो जिन जाना ।

साखी नहीं और कोई दूसर, जाननहार सयाना ।। । ।।

बाजीगर सो राचि रहा, बाजी का मरम न जाना ।

बाजी झूठ साँच बाजीगर, जाना मन पतियाना ।। 2 ।।

मन थिर होइ त कोह न सुझै, जानै जाननहारा ।

कह रैदास बिमल विवेक सुख, सहज सरूप संभारा ।। 3 ।।

अथवा

चाट रहे हैं कुछ प्राणी बाहर जूठन के दोने

चहक रहे हैं अन्दर ये लक्ष्मी के पुत्र सलोने

कला गुलाम हुई इनके, कविता पानी भरती है

सौ-सौ की मेहनत इनकी मुसकानों पर मरती है

(ख) कभी निराशा का तम घिरता, छिप जाता मधु का प्याला,

छिप जाती मदिरा की आभा, छिप जाती साकीबाला,

कभी उजाला आशा करके प्याला फिर चमका जाती,

ऑखमिचौनी खेल रही ळे मुझसे मेरी मधुशाला ।

उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर कवि और मधुशाला के परस्पर संबंधों पर विचार कीजिए । (8)

2. किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए :

रहीम या नागार्जुन

अथवा

पाठ्यक्रम पर आधारित सूरदास के 'उद्धव सन्देश' या

'तोड़ती पत्थर' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए । (6)

3. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इस देश में करोड़ों प्रजा ऐसी है जिसके लोग जब संध्या-सवेरे किसी स्थान पर एकत्र होते हैं तो महाराजा विक्रम की चर्चा करते हैं और उन राजा-महाराजाओं की गुणावली वर्णन करते हैं, जो प्रजा का दु:ख मिटाने और उनके अभावों का पता लगाने के लिए रातों को वेश बदलकर निकला करते थे । अकबर के प्रजा-पालन की और बीरबल के लोकरंजन की कहानियॉ कहकर वे जी बहलाते हैं और समझते हें कि न्याय और सुख की समय बीत गया । अब वे राजा संसार में उत्पन्न नहीं होते जो प्रजा के सुख-दुख की बातें उनके घरों में आकर पूछ जाते थे ।

अथवा

कन्हैया का हाथ पहले दो बार तो क्रोध की बेबसी में ही चल गया था पर जब चल गया तो उसे अपने अधिकार और शक्ति का संतोष अनुभव होने लगा । अपनी शक्ति अनुभव करने के नशे से बड़ा दूसरा कौन होगा । इस नशे में राजा देश पर देश जीतते जाते थे, जमींदार गॉव और सेठ मिल और बैंक खरीदते चले जाते हैं । इस नशे की सीमा नहीं । यह चस्का पड़ा तो कन्हैया का हाथ उतना क्रोध आने की प्रतीक्षा किए बिना भी चल जाने लगा । (8)

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

उनकी नासमझी पर कभी हँसी आती है, कभी क्रोध। उनकी विवशता पर कभी झुँझलाहट होती है, कभी ग्लानि। अपने भावों और विचारों के विनिमय के लिए इतने आकुल व्यक्तियों को किसने इतना असमर्थ बना डाला। इतने विशाल जन-समूह को वाणीहीन बना कर जिन्हें अपनी वाग्विदग्धता का अभिमान है, वे कितने निर्लज्ज हैं। इस प्रकार के प्रश्न स्वाभाविक ही कहे जायँगें।

(i) उपर्युक्त गद्यांश में ग्रामीण लोगों की नासमझी और विवशता पर लेखिका की क्या प्रतिक्रिया होती है ?

(ii) 'निर्लज्ज' शब्द के माध्यम से लेखिका ने समाज के किस वर्ग पर व्यंग्य किया है और क्यों ? (8)

4. 'बेटों वाली विधवा' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'सरहद के उस पार' रिपोर्ताज का सार अपने शब्दों में लिखिए। (6)

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(i) राष्ट्रभाषा

(ii) सम्पर्क भाषा (5)

6. (i) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

आर्शीवाद, संयासी, पुसतक, दुरदिन, परध्यापक, परचित (2)

(ii) दिए गए वाक्यों मे से किन्हीं **तीन** को शुद्ध कीजिए :

(क) मेरी अनेकों मंत्रियों से जान पहचान है।

(ख) सब काम करना होंगे।

(ग) मेरा माताजी बीमार हैं।

(घ) यह आगरे का पेठा है।

(ङ) तुमने ऐसा करी। (3)

7. द्विभाषी कोष का परिचय दीजिए ।

अथवा

बैंकों में हिन्दी के प्रयोग की उपयोगिता पर विचार कीजिए । (5)

8. किन्हीं छः के हिन्दी प्रतिशब्द लिखिए : (6)

Deposit, Import, Teller, Payment, Commerce, Amount, Grading, Enclosure

9. 'इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की ऐजेंसी' लेने के लिए आवेदन लिखिए ।

अथवा

भेटवार्ता करते समय किन-किन सावधानियों का ध्यान रखना आवश्यक है ? (5)

10. किसी एक विषय पर संक्षिप्त लेख लिखिए :

(i) कॉलेज में मेरा पहला दिन

(ii) दिल्ली में मेट्रो के बढ़ते कदम

(iii) टी.वी. के रियॉलिटी शो (5)